( एक आदमी को पकड़कर बंद कमरे में लाया गया है | वो किसीके आनेका इंतज़ार कर रहा है )

नीरज :- ( गुस्से से) ये क्या तरीका है ?  आप मुझे ऐसे उठा के नहीं ला सकते.. जानते हो मैं कौन हूँ?

ऑफिसर :- पहले आप अपनी आवाज़ नीचे करिये और जो जो मैं पूछता हूँ उसका सही सही जवाब दीजिये..

नीरज :- देखिए मुझे घर फ़ोन करने दीजिए... आप ऐसे ही मुझे उठा कर लाये.. घर पर सब परेशान हो जायेगे..

ऑफिसर :- आप समझ नहीं रहे है.. जितना हमारे साथ cooperate करोगे उतना आप के लिये आसान होगा.. चलो आपके नाम से शुरू करते है.. आपका पूरा नाम?

नीरज :- नीरज चंद्रकांत मिश्रा

ऑफिसर :- आपकी उम्र

नीरज :- जी 42

ऑफिसर :-  आपने कोई कानून तोडा है?

नीरज :- बिल्कुल नहीं... मैंने कोई कानून नहीं तोड़ा.. मैं एक बहोत इज्जतदार आदमी हूँ...

ऑफिसर :- मैं फिर एक बार पूछता हूँ कि.. अपने कोई कानून तोड़ा है?

नीरज :- ( गुस्से से) मैंने कुछ नहीं किया है और वैसे भी छोटे मोटे कानून तो हर कोई तोड़ता है

ऑफिसर :- correct छोटा मोटे कानून तो हम भी तोड़ते है... लेकिन छोटा मोटा नहीं आपने बहोत संगीन जुर्म किया है,याद कीजिए...... 21 dec 2083 ये तारीख याद है आपको..

नीरज :- ( सोचकर) हां शादी थी मेरी बेटी कि.. तो क्या हुआ शादी करना जुर्म है?

ऑफिसर :- आपने वॉटर डिपार्टमेंट से मंजूरी / permission ली थी?

नीरज :- yes... आप मेरा फ़ोन दीजिये उसमें receipt है चाहे तो दिखा सकता हूँ..

ऑफिसर :- water limit क्या थी आपकी?

नीरज :- जी 45 lt

ऑफिसर :- और आपने कितना इस्तेमाल किया था?...सच बोलिये आपको मालूम है न, इसके कानून बहोत सख्त है..

नीरज :- ( सोचकर थोड़ी घबराहट से)  जितना पानी दिया था मैंने उतना ही लिया.. आप रिकॉर्ड चेक कर सकते है..

ऑफिसर :- ( गुस्से से) झूट बोल रहे है आप.. 70lt पानी लिया था.. कितने रुपये दिये थे वॉटर सप्लायर को 5000rs-10000rs?  ऐसे मत देखो वो सप्लायर् पकडा गया है और उसने सब सच बता दिया है.. तुम्हारी वजह से उसकी नौकरी तो गयी ही उपर से 5 साल सज़ा होगी वो अलग..

नीरज :- 70 नहीं 60lt मानता छोटी सी ग़लती हो गयी.. लेकिन क्या करता शादी थी, मेहमान ज़्यादा आ गये  और वैसे भी सिर्फ 15 lt तो ज़्यादा लिया था..

ऑफिसर :- सिर्फ 15lt, पता हे आपको.. जो पानी आगे जाकर हॉस्पिटल में देना था वो आपने ले लिया..आपका सिर्फ 15 lt.. 15 लोगो की ज़िंदगी के बराबर है...

नीरज :- आगे से नही करूँगा सर.. अब क्या करना पड़ेगा मुझे.. मैं आपने वकील को फ़ोन कर सकता हूँ..

ऑफिसर :- आप सुनते बहोत कम हो, मैंने क्या कंहा था ये कानून बहोत सख्त है, अगर आपने ये तोड़ा तो सीधा सज़ा.. नो कोर्ट, नो वकील, नो बेल, ना किसी से मिलना जुलना.. कुछ भी नही..

नीरज :- क्या? सर please इस बार जाने दीजिए... हर तरफ़ बदनामी होगी, जॉब चली जायेगी... Pleaseee

ऑफिसर :- आपको जाना है तो.. सिर्फ 50 lakh रुपये का दंड भरणा पड़ेगा..

नीरज :- इतने पैसे कंहा से लाऊंगा अभी मेरी बेटी कि शादी हुई है.. सर पर इतने लोन है.. Sir आप कुछ लेकर एडजस्ट कर लेना.. मैं आपको पूरे 1 lakh रुपये दे सकता हूं..

ऑफिसर :- नहीं इसमे मैं कोई मदद नहीं कर सकता क्योंकि  पानी कि ज़रूरत सबको होती है.. मुझे मेरे बच्चो की लिये भी पानी सेव करके रखना है अगर आज़ मैंने आपको छोड़ दिया तो कल और हज़ारों नीरज ऐसी हिम्मत करेंगे... जो कुछ बचा हुआ पानी है वो भी खत्म हो जाएगा..

नीरज ( पछतावा होते हुए) :-  ( डरते हुए) तो अब क्या?

ऑफिसर :-  तो अब WC Act अंडर 3 साल की सज़ा और हाँ आपको सिर्फ 5 lt पानी मिलेगा 1 हफ्ते के लिये... अब आपको समझ में आयेगा पानी कि असली किम्मत क्या है?

Scene 2

( नीरज को लाकर कमरे मैं दुसरे कैदी के साथ रखा जाता है)

नीरज (दूसरे कैदी को देखकर) :- तुम ( वॉटर supplyer गौतम)... तुम्हारे वजह से ये सब हुआ है... आपना मूह खोलने क्या ज़रुरत थी..

गौतम ( आश्चर्य से) :- क्या? मैंने कुछ भी नही कंहा और मैं क्या पागल हूँ जो सच बोलूँगा.. इसका मतलब आपने उन्हें सब सच सच बता दिया.. ( रोते हुए)  6 साल इस बंद कमरे में नहीं रह

सकता.. नहीं रह सकता..

( नीरज खुद पर ही गुस्सा करता है)

After some days

( दोनों भी बहोत कमज़ोर हो गये है)

गौतम :- ( खुद से) साले मादरचोद जान बूझकर तीखा खाना बनाते है... आगे से खाना ही नहीं खाऊँगा... ( bottle मैं से थोड़ा पानी  पिता है, थोड़ी देर मूह में रखकर फिर बोतल में डाल देता है.. पानी का एक घूंट . चीखता है, ख़ुद को मारता है ताकी मूह जलना बंद हो जाये)

( नीरज ये सब देखकर डर जाता है)

After some month

( गौतम सो रहा है.. नीरज को बहोत प्यास लगी हुई है, खुद कि बोतल देखता है बहोत कम पानी बचा हुआ है गौतम की बोतल के तरफ देखता है आधी बोतल भरी हुई है.... नीरज उठाता है और धीरे से गौतम कि बोतल लेता है... उसका आधे से ज्यादा पानी अपने इसमें डाल देता है.... तभी गौतम नीद मैं थोड़ी हलचल करने लगता है.. नीरज जल्दी से उसकी बोतल उसके पास रख देता है और जान बूझकर बोतल केप आधा खुला छोड़ देता है.. तभी गौतम की आंख खुलती है देखता है बोतल नहीं होती है.. नीरज के तरफ़ देखता है वो सो रहा है.. गौतम दुसरे साइड देखता है वहां पर बोतल होती हे... नीरज जल्दबाजी में बोतल गलत साइड पर रख देता है... गौतम बोतल को हात में लेकर सो जाता है..)

Next day

( नीरज उठ जाता है.. गौतम सो रहा है.. नीरज गौतम की बोतल के तरफ़ देखता है उसका केप अभी भी नहीं निकला.. नीरज को लगता है अगर गौतम उठ कर देखेगा तो उसे पता चल जाएगा की बोतल का पानी मैंने लिया है.. नीरज बोतल का cap और ढीला कर देता.. तकरीबन निकाल ही देता है और सोने का नाटक करने लगता है.. गौतम के उठते समय उस बोतल के केप को ढका लगता है और पानी गिर जाता है.. गौतम बहोत परेशान होता है.. पाणी भरने की कोशिश करता है लेकिन कुछ भी नहीं होता... रोने लगता है..)

गौतम :- है भगवान् इतनी बडी सज़ा क्यों दे रहा है....

After some hours

( गौतम को बहोत प्यास लगी है.. नीरज की बोतल के तरफ़ देखता उसकी बोतल में थोड़ा पानी है.. नीरज अपनी बोतल छुपा देता है..)

गौतम :- साहब अभी कुछ दिनों में, मैं बाप बनने वाला हूं...मुझे ज़िंदा रहना है, अपने बच्चे को देखना है...आपके आगे हात जोड़ ता हू.. थोडा पानी दे दीजिए बहोत प्यास लगी है, शरीर कमज़ोर पड़ने लगा है और वैसे भी कल आपको दुसरा पानी मिल ही जाएगा.. मुझे अभी 2 दिन काटने है..

नीरज :- नहीं.. मैं नही दूँगा .. तुम्हारी लापरवाही से यह सब हुआ है.. मैं कुछ नहीं कर सकता..

( गौतम थोड़ी देर सोचता है.. बोतल लेता है, बोतल में पानी एक बूंद नहीं.. पैंट निकालता.. बॉटल में पेशाब करता है मुश्किल से 4-5 बूंदें गिरती है....उसे पिता हे फिर भी प्यास नहीं बूझ पाती ऊपर से मूह कड़वा पड़ जाता है)...

गौतम :- ( गुस्सा आता है) साले हरामखोर, तेरे वजह से ये सब हुआ है.. अपने हाथ से दे दे..नहीं तो मैं अपने हिसाब ले लूँगा...

( गौतम बोतल लेने के लिये आगे बढ़ता है.. तभी नीरज चिल्लाने लगता है ऑफिसर.. गौतम नीरज के मूह पर हात रख देता है.. नीरज का दम घुटने लगता है.. नीरज खुद को बचाने के लिये उसे गिराता है और उसका गला पकडता है... नीचे से गौतम भी उसका गला पकडता है.. थोड़ी देर बाद गौतम शांत हो जाता है... नीरज उठ जाता है)

नीरज :- फिर से मुझ पर हाथ नहीं उठाना नहीं तो सीधा ऑफिसर से बताऊंगा.. तेरी सज़ा और बढ़ जाएगी... चल उठ अब....

( गौतम कि तरफ़ देखता है... वो वैसे ही पढा है.. जाकर उसे हिलाता है फिर भी वैसे ही पढ़ा है...दिल धड़कना बिल्कुल बंद.. परेशान हो जाता है.. तभी दरवाजे का आवाज़ आता है.. नीरज गौतम को कोने में सूला देता है..)

ऑफिसर :- नीरज मिश्रा आप आज़ाद हो.. आपके भाई ने 50 लाख रुपये जमा कर दिये...

( नीरज गौतम कि ओर देखता है... नीरज के चेहरे पर पश्चाताप.. ख़ुद से नज़र नहीं मिला पाता... रोते रोते ज़ोर से  चीखता है)

( उस दिन के बाद नीरज के मूह से  आज़ तक कोई आवाज़  नही  निकली)

                                    " THE GUILTY"

                               Written by :- Sourbh